भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

व्यय विभाग

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या - 1867

सोमवार, 19 दिसम्बर, 2022/28 अग्रहायण, 1944 (शक)

राज्यों की बकाया देयताएं

1867. डॉ. वेंकटेश नेता बोरलाकुंता:
डॉ. जी. रणजीत रेड्डी:
श्रीमती कविता मलोथूः

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान वास्तविक अर्थ में राज्यों की बकाया देयताओं और ऐसी देयताओं की वृद्धि के प्रतिशत का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) गत दस वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), जीडीपी में हुई वृद्धि, देश की बकाया ऋण और उधारियों का श्रेणी - वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश के ऋण-जीडीपी अनुपात के अनुसार भारत सरकार इस वित्त वर्ष में 60 प्रतिशत पार कर चुका है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) वर्ष 2014 से वर्तमान मूल्यों पर राज्यों का ऋण- जीएसडीपी अनुपात के प्रतिशत का वर्ष-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या कुछ राज्यों ने अपने ऋण के अनुमत्य अनुपात को पार कर लिया है और यदि हां, तो वर्ष 2014 से तत्संबंधी राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) भारतीय रिजर्व बैंक की 'राज्य वित्त: 2021-22 के बजटों का अध्ययन' शीर्षक से एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य सरकारों की कुल बकाया देयताओं तथा ऐसी देयताओं में वृद्धि के प्रतिशत का राज्य-वार विवरण **अनुबंध-I** दिया गया है।

(ख) पिछले दस वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), जीडीपी में वृद्धि, बकाया ऋण/देयताओं तथा उधारियों का श्रेणीवार विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(ग) बजट अनुमान 2022-23 के लिए जीडीपी (प्रचलित भावो पर) 258.00 लाख करोड़ रुपए प्रस्तावित की गई जो वित्त वर्ष 2021-22 में 232.14 लाख करोड़ रुपए की जीडीपी (प्रचलित भावो पर) के पहले अग्रिम अनुमानों से 11.1% अधिक है। तदनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में ऋण से जीडीपी अनुपात 60.2% तक अनुमानित किया गया था। हालांकि, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 31.05.2022 को जारी वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अनंतिम अनुमानों के अनुसार जीडीपी (प्रचलित भावो पर) के 236.65 लाख करोड़ रुपए के उर्ध्वगामी संशोधन के साथ ऋण से जीडीपी अनुपात वित्त वर्ष 2022-23 में 60% से कम रहने की संभावना है।

(घ) भारतीय रिजर्व बैंक की "राज्य वित्त: 2021-22 के बजट का अध्ययन" शीर्षक से रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2014 से सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के प्रतिशत के रूप में राज्य सरकारों की बकाया देयताओं का राज्यवार और वर्षवार विवरण **अनुबंध -III** में दिया गया है।

(ड.) सभी राज्यों द्वारा अपने राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम अधिनियमित किए जा चुके हैं। राज्य एफआरबीएम अधिनियम के अनुपालन की निगरानी संबंधित राज्य विधानमण्डल द्वारा की जाती है। व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत के संविधान के अनुच्छेद 293(3) के तहत राज्यों की उधारियों को मंजूरी देने की शक्ति का उपयोग करते हुए सामान्यत: वित्त आयोग की स्वीकृत सिफारिशों द्वारा अधिदेशित राजकोषीय सीमाओं का पालन करता है।

19.12.2022 के लिए लोक सभा लिखित प्रश्न सं. 1867 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध-I

राज्य सरकारों की कुल बकाया देयताओं तथा इस प्रकार की देयताओं में वृद्धि के प्रतिशत का राज्य-वार विवरण

राज्य	मार्च के अंत तक राज्यों की बकाया देयताएं (करोड़ रुपए में)					वर्ष के दौरान बकाया देयताओं में वृद्धि का प्रतिशत				
	2018	2019	2020	2021 (स.अ.)	2022 (ब.अ.)	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21 (स.अ.)	2021-22 (ब.अ.)
आंध्र प्रदेश	2,29,333.8	2,64,451.0	3,07,671.5	3,60,333.4	3,98,903.6	-9.8	15.3	16.3	17.1	10.7
अरुणाचल प्रदेश	6,968.7	8,430.5	12,125.1	13,841.1	15,122.6	22.9	21.0	43.8	14.2	9.3
असम	49,309.8	59,796.4	73,527.8	90,764.9	1,07,719.5	12.0	21.3	23.0	23.4	18.7
बिहार	1,56,980.5	1,69,045.4	1,93,534.3	2,23,645.8	2,46,413.1	12.9	7.7	14.5	15.6	10.2
छत्तीसगढ़	55,049.5	68,981.5	86,005.7	1,00,150.8	1,14,200.8	26.9	25.3	24.7	16.4	14.0
गोवा	18,641.9	20,500.2	22,645.7	25,765.3	28,509.9	10.3	10.0	10.5	13.8	10.7
गुजरात	2,68,263.2	2,98,755.1	3,29,351.8	3,78,734.3	4,02,785.4	10.2	11.4	10.2	15.0	6.4
हरियाणा	1,67,262.1	1,87,635.8	2,19,245.9	2,34,917.7	2,79,022.8	11.9	12.2	16.8	7.1	18.8
हिमाचल प्रदेश	51,030.4	54,303.3	62,218.4	66,939.4	74,686.4	8.0	6.4	14.6	7.6	11.6
झारखंड	77,585.7	83,878.2	94,504.5	1,05,570.9	1,17,789.8	15.2	8.1	12.7	11.7	11.6
कर्नाटक	2,45,950.6	2,86,328.7	3,38,665.7	4,01,227.1	4,61,832.8	16.5	16.4	18.3	18.5	15.1
केरल	2,16,499.4	2,43,745.7	2,67,585.4	3,05,351.7	3,35,989.1	13.0	12.6	9.8	14.1	10.0
मध्य प्रदेश	1,73,137.0	1,95,178.3	2,11,489.0	2,66,899.1	3,17,736.8	10.9	12.7	8.4	26.2	19.0
महाराष्ट्र	4,32,479.4	4,38,841.8	4,80,955.2	5,30,310.4	6,08,999.7	9.2	1.5	9.6	10.3	14.8
मणिपुर	9,564.9	10,463.0	11,405.8	12,334.4	13,510.6	8.3	9.4	9.0	8.1	9.5
मेघालय	10,157.5	11,348.4	12,320.7	14,027.1	15,125.0	9.9	11.7	8.6	13.8	7.8
मिजोरम	7,547.0	7,638.7	9,001.4	10,401.8	11,830.4	13.0	1.2	17.8	15.6	13.7
नागालैंड	10,399.2	11,639.5	13,836.1	14,586.3	15,620.8	8.8	11.9	18.9	5.4	7.1
ओडिशा	1,03,065.7	1,05,685.1	1,43,800.3	1,56,985.1	1,67,205.8	43.2	2.5	36.1	9.2	6.5
पंजाब	1,95,174.1	2,11,940.1	2,29,629.9	2,59,901.8	2,82,864.6	6.9	8.6	8.3	13.2	8.8
राजस्थान	2,81,663.1	3,11,853.6	3,53,182.0	4,08,526.6	4,77,177.2	10.3	10.7	13.3	15.7	16.8
सिक्किम	5,910.9	6,850.4	7,954.0	9,560.3	11,285.3	26.1	15.9	16.1	20.2	18.0
तमिलनाडु	3,26,636.0	4,01,503.8	4,62,201.8	5,59,232.6	6,59,868.9	15.2	22.9	15.1	21.0	18.0
तेलंगाना	1,60,296.3	1,90,202.7	2,25,418.0	2,67,530.7	3,12,191.3	95.9	18.7	18.5	18.7	16.7
त्रिपुरा	13,383.7	15,085.5	18,178.9	20,797.5	23,624.5	12.9	12.7	20.5	14.4	13.6
उत्तर प्रदेश	5,17,584.9	5,67,777.0	5,49,559.2	6,00,006.2	6,53,307.5	9.3	9.7	-3.2	9.2	8.9
उत्तराखंड	53,071.1	59,386.6	67,544.7	75,351.4	84,288.7	19.2	11.9	13.7	11.6	11.9
पश्चिम बंगाल	3,71,071.5	4,04,735.9	4,45,790.4	5,01,837.2	5,62,697.2	9.9	9.1	10.1	12.6	12.1

स्रोत: 'राज्य वित्त: 2021-22 के बजट का अध्ययन' शीर्षक से आरबीआई की रिपोर्ट

स.अ.: संशोधित अनुमान ब.अ.: बजट अनुमान

19.12.2022 के लिए लोक सभा लिखित प्रश्न सं. 1867 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध-II

पिछले दस वर्षों में प्रत्येक के दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), जीडीपी में बृद्धि, बकाया ऋण/देयताओं उधारियों का श्रेणीवार विवरण

(₹. लाख करोड़ में)

वित्त वर्ष	जीडीपी (न्यूनतम)	जीडीपी में वर्षवार वृद्धि (% में)	31 मार्च तक केन्द्र सरकार के बकाया ऋण/देयताएं					वित्त वर्ष के दौरान सकल उधारी		
			आंतरिक ऋण	वाह्य ऋण (वर्तमान मूल्यों पर)	अन्य देयताएं *	कुल ऋण/देयताएं	कुल ऋण/देयताएं (जीडीपी का %)	गवर्नमेंट डेटेड सिक्योरिटीज के माध्यम से आंतरिक/ब्याज उधारी	बाह्य उधारी	कुल
2012-13	99.44	13.8	37.65	3.32	10.12	51.09	51.4	5.58	0.23	5.81
2013-14	112.34	13.0	42.41	3.74	11.16	57.31	51.0	5.57	0.25	5.82
2014-15	124.68	11.0	47.38	3.66	11.40	62.44	50.1	5.92	0.33	6.25
2015-16	137.72	10.5	53.05	4.07	11.99	69.10	50.2	5.85	0.36	6.21
2016-17	153.92	11.8	57.42	4.08	13.44	74.94	48.7	5.82	0.44	6.26
2017-18	170.90	11.0	64.01	4.45	14.44	82.91	48.5	5.88	0.49	6.37
2018-19	188.87	10.5	70.75	4.74	17.03	92.52	49.0	5.71	0.51	6.22
2019-20	200.75	6.3	80.20	5.44	19.58	105.23	52.4	7.10	0.63	7.73
2020-21	198.01	-1.4	99.08	6.15	16.83	122.06	61.6	13.70	1.24	14.94
2021-22 (Prov)	236.65	19.5	114.62	6.59	17.67	138.87	58.7	11.27	0.87	12.14

**ईबीआर देयताओं के शामिल किया गया है तथा वर्ष के अंत तक नकद शेष को छोड़ा गया है।*

टिप्पणियां: (1) बकाया बाह्य ऋण संबंधित वित्त वर्ष के 31 मार्च तक वर्तमान विनिमय दर पर है।

(2) वित्त वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 में डेटेड सिक्योरिटीज द्वारा उठाई गईं आंतरिक बाजार उधारी में जीएसटी प्रतिपूर्ति में कमी के बदले राज्यों/विधानमंडल वाले संघ राज्य क्षेत्रों को बैक टू बैक ऋण उपलब्ध कराने के लिए क्रमशः 1.10 लाख करोड़ रुपए तथा 1.59 लाख करोड़ रुपए की उधारी शामिल है।

19.12.2022 के लिए लोक सभा लिखित प्रश्न सं. 1867 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध-III

सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के प्रतिशत के रूप में राज्य सरकारों की बकाया देयताओं का राज्यवार और वर्षवार विवरण

राज्य	जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में बकाया देयताएं (मार्च के अंत तक)								
	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021 (स.अ.)	2022 (ब.अ.)
आंध्र प्रदेश	42.3	23.3	24.5	37.2	29.2	30.4	31.7	36.5	37.6
अरुणाचल प्रदेश	32.3	34.3	30.9	28.5	31.0	33.4	43.2	48.6	57.4
असम	17.4	18.1	18.4	17.3	17.4	19.3	21.9	27.1	31.9
बिहार	27.9	29.0	31.4	33.0	33.5	32.0	32.6	36.2	34.0
छत्तीसगढ़	12.6	13.2	17.4	16.5	19.5	21.7	24.9	28.6	29.8
गोवा	37.0	29.5	28.4	26.8	26.9	28.5	30.3	27.9	31.9
गुजरात	23.3	22.0	22.5	20.9	20.2	20.0	20.2	22.8	21.4
हरियाणा	19.9	21.2	25.0	26.6	25.9	26.6	28.1	30.7	35.3
हिमाचल प्रदेश	35.7	36.8	36.1	37.6	36.8	36.3	38.2	42.8	43.4
झारखंड	20.1	20.0	27.6	28.5	28.8	27.4	29.4	33.3	32.6
कर्नाटक	17.0	17.4	17.8	17.5	18.4	19.2	20.8	24.1	25.7
केरल	27.0	28.0	28.9	30.2	30.9	30.8	31.3	37.1	38.3
मध्य प्रदेश	21.9	22.7	23.6	24.0	23.8	24.0	22.6	29.1	29.0
महाराष्ट्र	18.8	18.1	17.9	18.0	18.4	17.0	17.1	19.9	20.4
मणिपुर	43.8	40.8	41.7	41.5	37.1	37.5	35.9	32.7	31.3
मेघालय	28.7	29.7	30.0	33.7	34.4	35.3	35.5	42.0	39.2
मिजोरम	60.4	51.9	46.7	38.9	38.9	34.9	35.8	32.9	31.2
नागालैंड	50.3	43.2	45.7	44.0	42.6	43.9	46.8	46.5	44.2
ओडिशा	17.0	16.2	19.9	18.3	23.4	21.2	26.2	28.8	26.7
पंजाब	30.8	31.7	34.4	42.8	41.4	41.4	42.5	49.1	53.3
राजस्थान	23.3	24.1	30.8	33.6	34.0	33.8	35.4	42.6	39.8
सिक्किम	24.1	22.7	24.1	22.7	22.8	24.1	25.8	29.2	29.6
तमिलनाडु	18.5	17.3	19.4	21.8	22.3	24.6	25.7	29.4	31.6
तेलंगाना	–	–	15.7	12.4	21.4	22.1	23.5	27.3	27.4
त्रिपुरा	34.1	34.0	28.8	30.0	30.6	30.3	32.5	35.3	36.3
उत्तर प्रदेश	28.3	31.0	33.9	36.7	36.6	35.8	32.6	35.2	34.2
उत्तराखंड	20.3	21.1	22.7	22.8	24.1	25.1	26.6	31.0	30.3
पश्चिम बंगाल	36.7	34.6	39.5	38.7	38.1	36.7	36.9	38.6	38.8

स्रोत: 'राज्य वित्त: 2021-22 के बजट का अध्ययन' शीर्षक से आरबीआई की रिपोर्ट

स.अ.: संशोधित अनुमान ब.अ.: बजट अनुमान

(–) उपलब्ध नहीं/लागू नहीं